शुद्धता और शक्ति !

अमेज़िंग फ़ाक्ट्स
अध्ययन संदर्शिका

9

क्या आप अपने प्रियजनों को चोट पहुंचाने से थक गए हैं? क्या आप अपनी पिछली गलतियों के लिए लगातार पछतावा करते हैं? क्या आपने कभी कामना की है कि आप अंदर और बाहर धुल कर साफ हो सकते? तब हमारे पास अच्छी खबर है – आप हो सकते हैं! परमेश्वर की एक योजना है जो आपके सभी पापों को पूरी तरह से धो सकती है और आपके चरित्र को और अधिक उत्कृष्ट कर सकते है। बेतुका? बिल्कुल भी नहीं! बाइबल कहती है, "अतः उस मृत्यु का बपतिस्मा पाने से हम उसके [मसीह] साथ गाड़े गए" (रोमियों 6:4)। जब आप मसीह को स्वीकार करते हैं, तो पुराना जीवन मर जाता है और परमेश्वर आपके सभी पापों को भूलने का वादा करता है! इतना ही नहीं, वह आपको हर पापी आदत पर काबू पाने में मदद कर सकता है। क्या आप जानते थे कि बाइबल में क्रूस का 28 बार उल्लेख किया गया है जबकि बपतिस्मे का उल्लेख 97 बार किया गया है? यह बहुत महत्वपूर्ण होना चाहिए - और कोई आश्चर्य की बात नहीं है, यह एक नए जीवन का अभिप्राय है जिसमें डरावना, पापी अतीत को दफनाया और भुला दिया जाता है। बाइबल के आश्चर्यजनक को पढ़ें!

1 क्या बपतिस्मा वास्तव में आवश्यक है?

"जो विश्वास करे और बपतिस्मा ले उसी का उद्धार होगा, परन्तु जो विश्वास न करेगा वह दोषी ठहराया जाएगा" (मरकुस 16:16)।

उत्तर: हाँ! इसे सरल कैसे बनाया जा सकता है?

2 लेकिन क्रूस पर के चोर ने बपतिस्मा नहीं लिया था, तो हमें क्यों लेना चाहिए?

"क्योंकि वह हमारी सृष्टि जानता है; और उसको स्मरण रखता है कि मनुष्य मिट्टि ही है" (भजन संहिता 103:14)।

उत्तर: और न ही क्रूस पर के उस चोर ने उन सब चीजों को लौटाया था जिसे उसने चुराया था, जैसा की यहोवा, यहेजकेल 33:15 में, अपने लोगों को निर्देशित करता है। परमेश्वर हमें उन चीजों के लिए जिम्मेदार ठहराता है जो हम कर सकते हैं, परन्तु वह "मिट्टी" की सीमाओं को भी पहचानता है। वह उन चीजों की माँग नहीं करता है जो भौतिक रूप से असंभव है। यदि वह चोर क्रूस से नीचे आ सकता, तो वह बपतिस्मा अवश्य लेता। हर व्यक्ति जो सक्षम है उसे बपतिस्मा लेना चाहिए।

3 कई अध्यादेश हैं जिन्हें "बपतिस्मा" कहा जाता है। क्या इनमें से कोई भी स्वीकार्य नहीं है, बशर्ते वह व्यक्ति इसके बारे में ईमानदार है?

"एक ही प्रभु, एक ही विश्वास, एक ही बपतिस्मा" (इफिसियों 4:5)।

उत्तर: नहीं,केवल एक ही सच्चा बपतिस्मा है। अन्य सभी तथाकथित बपतिस्मे नकली हैं। "बपतिस्मा" शब्द यूनानी शब्द "बपटिज़्या" से आता है। इसका अर्थ है "पानी में जाना, या डुबकी या डुबाना।" नए नियम में आठ यूनानी शब्दों का तरल पदार्थ के उपयोग का वर्णन करने के लिए प्रयोग किया गया है। लेकिन इन विभिन्न शब्दों में – जिनका अर्थ है छिड़काव करना, उड़ेलना, या डुबाना – बपतिस्मे का वर्णन करने के लिए केवल उस शब्द का प्रयोग किया गया है जिसका अर्थ है "डूबाना" (बपटीज़ो)।

नोट: *बपतिस्मे के लिए शैतान की "विरोधक" योजना कहती है, "अपना चयन करें। बपतिस्मे की विधि से कोई फर्क नहीं पड़ता। यह आत्मा है जो मायने रखती है। "परन्तु बाइबल कहती है", "एक ही प्रभु, एक ही विश्वास, एक ही बपतिस्मा।" यह भी कहता है, "जो कुछ मैं तुझ से कहता हूँ उसे यहोवा की बात समझकर मान ले" (यिर्मयाह 38:20)।*

बपतिस्मे का केवल एक तरीका सच है, 14 नहीं।

कितनी बपतिसमें के तरिके बाइबल सम्बन्धी हैं?

4 यीशु ने कैसे बपतिस्मा लिया?

"यीशु ने ... यरदन में यूहन्ना से बपतिस्मा लिया। और जब वह जल से निकलकर ऊपर आया ..." (मरकुस 1:9, 10)।

उत्तर: यीशु ने डुबकी से बपतिस्मा लिया था। ध्यान दें कि अभिषिक्त होने के बाद, वह "पानी से ऊपर" आया। यीशु ने "यरदन नदी में" बपतिस्मा लिया, नदी के छोर पर नहीं, जैसा कि कई लोग मानते हैं। यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाला हमेशा बपतिस्मे देने के लिए एक ऐसी जगह ढूढंता जहाँ "बहुत पानी था" (यूहन्ना 3:23), इसलिए यह काफी गहरा होगा। बाइबल कहती है कि हमें यीशु के उदाहरण का पालन करने के लिए बुलाया गया है (1 पतरस 2:21)।

5 परन्तु क्या प्रारंभिक चर्च के अगुओं ने बपतिस्मे की विधि को नहीं बदला?

"और फिलिप्पुस और खोजा दोनों जल में उतर पड़े, और उसने खोजा को बपतिस्मा दिया। जब वे जल में से निकलकर ऊपर आए, तो प्रभु का आत्मा फिलिप्पुस को उठा ले गया" (प्रेरितों के काम 8:38, 39)।

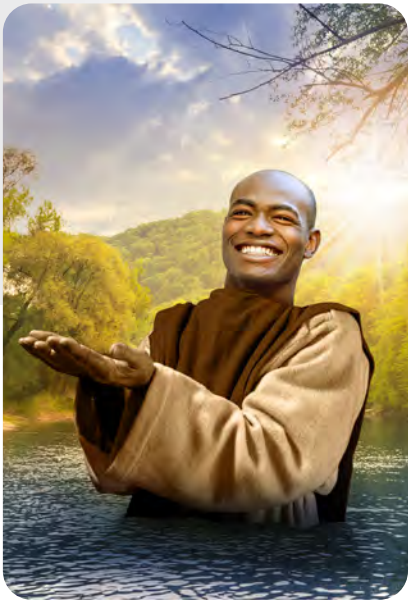

उत्तर: नहीं। कृपया ध्यान दें कि प्रारंभिक मसीही कलीसिया के एक अगुआ फिलिप्पुस ने इथियोपिया के खजांची को डूबाकर बपतिस्मा दिया, जैसा कि यूहन्ना, बपतिस्मा देने वाले, ने यीशु को बपतिस्मा दिया था। कोई भी व्यक्ति, कलीसिया में उसकी स्थिति चाहे कुछ भी हो, परमेश्वर के प्रत्यक्ष आदेशों को बदलने के लिए अधिकृत नहीं है।

6 चूँकि यीशु और उसके चेलों ने डुबाकर बपतिस्मा दिया, तो आज के अन्य तथाकथित बप्तिस्मों के तरीकों को किसने पेश किया?

"और ये व्यर्थ मेरी उपासना करते हैं, क्योंकि मनुष्यों की विधियों को धर्मोपदेश करके सिखाते हैं" (मत्ती 15:9)।

उत्तर: भ्रमित लोगों ने परमेश्वर के वचन के प्रत्यक्ष विरोधाभास में बपतिस्मे के अन्य रूपों को पेश किया है। यीशु ने कहा, "तुम अपनी परम्पराओं के कारण क्यों परमेश्वर की आज्ञा टालते हो? ... इस प्रकार तुम ने अपनी परम्परा के कारण परमेश्वर का वचन टाल दिया" (मत्ती 15:3, 6)। मानव शिक्षण का पालन करने वाली आराधना व्यर्थ है। ज़रा इसके लिए सोचें! लोगों ने, बपतिस्मे के महत्व को घटाने के लिए बपतिस्मे के पवित्र अध्यादेश के साथ छेड़छाड़ की है। इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि बाइबल हमें "उस विश्वास के लिए पूरा यत्न करो जो पवित्र लोगों को एक ही बार सौंपा गया था" (यहूदा 1:3)।

7 बपतिस्मा लेने के लिए एक व्यक्ति को क्या तैयारी करनी चाहिए?

उत्तर:

क. **परमेश्वर की आवश्यकताओं को जानें:** "इसलिए तुम जाओं, सब जातियों के लोगों को चेला बनाओ; और उन्हें पिता, और पुत्र, और पवित्र आत्मा के नाम से बपतिस्मा दो, और उन्हें सब बातों जो मैं ने तुम्हें आज्ञा दी है, मानना सिखाओ" (मत्ती 28:19, 20)।

ख. **परमेश्वर के वचन की सच्चाई पर विश्वास करें:** "जो विश्वास करे और बपतिस्मा ले उसी का उद्धार होगा" (मरकुस 16:16)।

ग. **पश्चाताप करें और अपने पापों से दूर हो जाएँ और परिवर्तन का अनुभव करें:** "मन फिराओ, और तुम में से हर एक अपने अपने पापों की क्षमा के लिए यीशु मसीह के नाम से बपतिस्मा ले" (प्रेरितों के काम 2:38)। "इसलिए मन फिराओ और लौट जाओ कि तुम्हारे पाप मिटाए जाएँ" (प्रेरितों के काम 3:19)।

8 बपतिस्मे का क्या अर्थ है?

"अतः उस मृत्यु का बपतिस्मा पाने से हम उसके साथ गाड़े गए, ताकि जैसे मसीह पिता की महिमा के द्वारा मरे हुओं में से जिलाया गया, वैसे ही हम भी नए जीवन की सी चाल चलें। क्योंकि यदि हम उसकी मृत्यु की समानता में उसके साथ जुट गए हैं, तो निश्चय उसके जी उठने की समानता में जुट जाएँगे। हम जानते हैं कि हमारा पुराना मनुष्यत्व उसके साथ क्रूस पर चढ़ाया गया ताकि पाप का शरीर व्यर्थ हो जाए, और हम आगे को पाप के दासत्व में न रहें" (रोमियों 6:4-6)।

उत्तर: बपतिस्मा विश्वासी के मसीह में उसकी मृत्यु, दफन और पुनरुथान में सम्मिलित होने को दर्शाती है। यह प्रतीक गहरे अर्थ से भरा है। बपतिस्मा में आंखें बंद होती हैं और साँस रुक जाती है, जैसा कि मरने पर होता है। फिर पानी में दफन होता है और मसीह में एक नए जीवन के साथ पानी की कब्र से पुनरूत्थान होता है। पानी से उठाए जाने पर, आंखें खुलती हैं और विश्वासी फिर से साँस लेने लगते हैं और मित्रों से मिलते - यह पुनरुथान के सामान है। मसीही धर्म और अन्य धर्मों के बीच बड़ा अंतर, मसीह की मृत्यु, दफन और पुनरुथान है। इन तीनों कार्यों में हमारे लिए परमेश्वर जो कुछ करना चाहता है संभव हुआ है। इन तीन महत्वपूर्ण कार्यों की समय के अंत तक मसीहियों के मस्तिष्क में जीवित रखने के लिए, परमेश्वर ने स्मारक के रूप में डुबकी द्वारा बपतिसमें को स्थापित किया। बपतिस्मा के अन्य रूपों में मृत्यु, दफन और पुनरूत्थान का कोई प्रतीक नहीं है (रोमियों 6:4-6)।

जब मैं बपतिस्मा लेता हूँ, तो मैं यीशु की मृत्यु, दफ़न और पुनरूत्थान में अपनी विश्वास की पुष्टि करता हूँ।

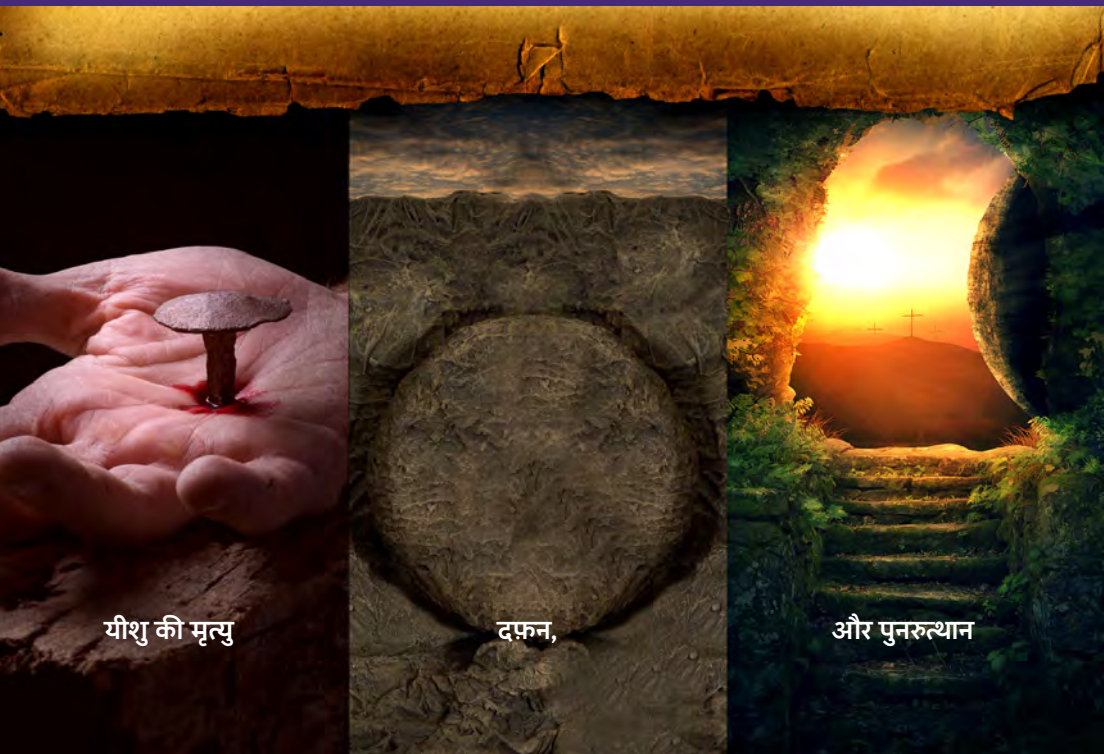

9 परन्तु एक व्यक्ति को तब तक बपतिस्मा नहीं लेना चाहिए जब तक वह निश्चित न हो जाए कि वह कभी भी कमज़ोर नहीं पड़ेगा और पाप नहीं करेगा, है न?

"हे मेरे बालको, मैं ये बातें तुम्हें इसलिए लिखता हूँ कि तुम पाप न करो, और यदि कोई पाप करे, तो पिता के पाप हमारा एक सहायक है, अर्थात धर्मी यीशु मसीह" (1 यूहन्ना 2:1)।

उत्तर: यह कहने जैसा है कि किसी बालिका को तब तक चलने की कोशिश नहीं करनी चाहिए जब तक वह निश्चित न हो जाए कि वह कभी भी नहीं फिसलगी और गिरेगी। एक मसीही, यीशु ख्रीष्ट में, नवजात "शिशु" जैसा ही है। यही कारण है कि परिवर्तन के अनुभव को "दुबारा जन्म लेना" कहा जाता है। एक व्यक्ति का पापी अतीत माफ कर दिया जाता है और परमेश्वर द्वारा परिवर्तन के बाद भुला दिया जाता है। बपतिस्मा उस पुराने जीवन की इच्छाओं के दफन का प्रतीक है। हम मसीही जीवन को वयस्कों के बजाए शिशुओं के रूप में शुरू करते हैं, और परमेश्वर हमें हमारी दृष्टिकोण और हमारे जीवन की प्रवृत्ति पर न्याय करते हैं न कि हमारी कमियों पर जिन्हें हम अपरिपक्व मसीहियों के रूप में अनुभव करते हैं।

10 एक दोषपूर्ण पापी के लिए बपतिस्मा क्यों एक अत्यावश्यक मामला है?

"अब क्यों देर करता है? उठ, बपतिस्मा ले, और उसका नाम लेकर अपने पापों को धो डाल" (प्रेरितों 22:16)।

उत्तर: बपतिस्मा एक सार्वजनिक गवाही है कि एक पश्चाताप करने वाले पापी को यीशु के द्वारा क्षमा और शुद्ध किया गया है (1 यूहन्ना 1:9) और अब उसका पापी अतीत पीछे छूट चुका है। परिवर्तन के बाद किसी व्यक्ति के खिलाफ कोई संदिग्ध साक्ष्य मौजूद नहीं रह जाता है। पुरुष और महिलाएँ आज पाप और अपराध के बोझ तले संघर्ष कर रहे हैं, और यह मलिनता और बोझ मानव व्यक्तित्व के लिए इतना विनाशकारी है कि लोग क्षमा और शुद्धता की भावना प्राप्त करने के लिए लगभग किसी भी हद तक जा सकते हैं। लेकिन असली मदद केवल मसीह के पास आने में पाई जाती है, जो उन सभी से कहता है, "मैं चाहता हूँ, तू शुद्ध हो जा" (मत्ती 8:3)। वह न केवल शुद्ध करता है, बल्कि वह आपके भीतर पाप की पुराने स्वभाव को क्रूस पर चढ़ाना शुरू कर देता है। बपतिस्मा अत्यंत महत्वपूर्ण है क्योंकि यह हमारे लिए यीशु के आश्चर्यजनक प्रावधान की हमारी सार्वजनिक स्वीकृति है!

परिवर्तन प्रक्रिया पर, परमेश्वर:

1. हमारे अतीत को माफ करता और भुला देता है।
2. चमत्कारिक रूप से हमें नए आत्मिक प्राणियों में बदलना शुरू कर देता है।
3. हमें अपने बेटों और बेटियों के रूप में स्वीकार करता है।

निश्चित रूप से कोई भी परिवर्तित व्यक्ति के बपतिस्मे में देरी नहीं करना चाहेगा, जो सार्वजनिक रूप से यीशु को इन सभी चमत्कारों के लिए सम्मानित करता है।

11 बपतिस्मा लेने के लिए तैयार होने में कितना समय लगता है?

उत्तर: यह व्यक्ति पर निर्भर करता है। कुछ चीजों को दूसरों की तुलना में अधिक तेज़ी से समझते हैं। लेकिन ज्यादातर मामलों में, कम समय में तैयारी की जा सकती है। यहाँ बाइबल से कुछ उदाहरण दिए गए हैं:

क. इथियोपियाई खजांची (प्रेरितों के काम 8:26-39) उसी दिन बपतिस्मा लिया जिस दिन उसने सच्चाई सुनी।

ख. फिलिपिन दरोगा और उसका परिवार (प्रेरितों के काम 16:23-34) उसी रात बपतिस्मा लिया जिस रात उन्होंने सच्चाई सुनी।

ग. तर्सुस का शाऊल (प्रेरितों के काम 9:1-18) यीशु ने दमिश्क के रास्ते पर उससे बात की जिसके तीन दिन बाद उसने बपतिस्मा लिया।

घ. कुरनेलियुस (प्रेरितों के काम 10:1-48) उसी दिन बपतिस्मा लिया जिस दिन उसने सच्चाई सुनी।

12 एक परिवर्तित व्यक्ति के बपतिस्मे के बारे में परमेश्वर कैसा महसूस करता है?

उत्तर: उसने अपने बेटे के बपतिस्मे पर कहा, "यह मेरा प्रिय पुत्र है, जिसमें मैं अत्यन्त प्रसन्न हूँ" (मत्ती 3:17)। जो लोग परमेश्वर से प्रेम करते हैं वे हमेशा उसे खुश करने का प्रयास करेंगे (1 यूहन्ना 3:22; 1 थिस्सलुनिकियों 4:1)। वास्तव में परिवर्तित आत्मा के कारण स्वर्ग में बहुत प्रसन्नता होती है!

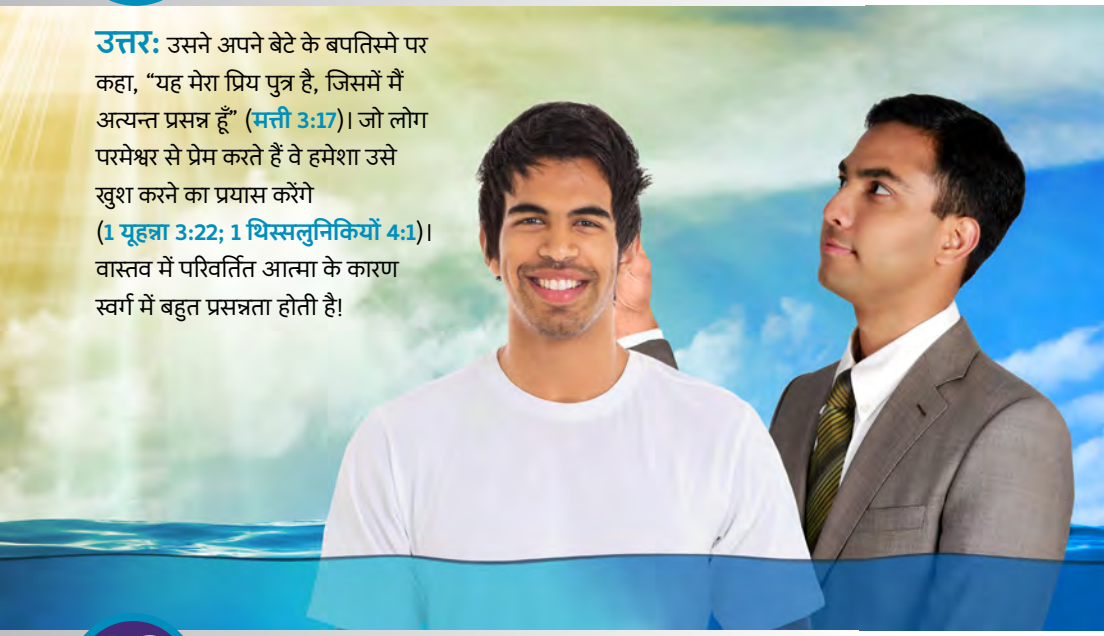

13 क्या कोई व्यक्ति परमेश्वर की कलीसिया का सदस्य बने बिना सच्चे बपतिस्मे का अनुभव कर सकता है?

उत्तर: नहीं। परमेश्वर स्पष्ट रूप से इसे रेखांकित करते हैं:

क. सभी को एक देह में बुलाया गया है। "तुम एक देह होकर बुलाए गए हो" (कुलुस्सियों 3:15)।

ख. कलीसिया एक देह है। "वही देह, अर्थात कलीसिया का सिर है" (कुलुस्सियों 1:18)।

ग. हम उस देह में बपतिस्मे के द्वारा प्रवेश करते हैं। "एक ही आत्मा के द्वारा एक देह होने के लिए बपतिस्मा लिया" (1 कुरिन्थियों 12:13)।

घ. परमेश्वर के परिवर्तित लोगों को कलीसिया में जोड़ा जाता है। "और जो उद्धार पाते थे, उनको प्रभु प्रतिदिन उनमें मिला देता था" (प्रेरितों के काम 2:47)। यदि यीशु आपसे बपतिस्मा लेने के बारे में बात कर रहा है, तो इसे न टालें।

14 चार जीजों पर ध्यान दें जो बपतिस्मा नहीं करती है:

पहली

बपतिस्मा स्वयं दिल को नहीं बदलता है; यह एक बदलाव का प्रतीक है जो हो चुका है। एक व्यक्ति बिना किसी पश्चाताप के, नए हृदय और विश्वास के बिना बपतिस्मा ले सकता है। वह यीशु के उदाहरण को देखते हुए डुब सकता है, लेकिन वह नए हृदय और पश्चताप के बिना किसी विश्वास के सूखे पापी के बजाय गीले पापी के रूप में आ जाएगा। अभी भी बिना विश्वास, बिना पश्चताप, बिना नए हृदय के नया बपतिस्मा एक नया व्यक्ति नहीं बना सकता है। न ही यह किसी को बदल सकता है या पुन: उत्पन्न कर सकता है। यह पवित्र आत्मा की परिवर्तन करने वाली शक्ति है जो दिल को बदलती है। एक व्यक्ति को पानी के साथ साथ आत्मा से भी जन्म लेना (यूहन्ना 3:5) चाहिए।

दूसरी

ज़रूरी नहीं है कि बपतिस्मा एक व्यक्ति को बेहतर महसूस कराएगा। यह जरूरी नहीं कि हमारी भावनाओं को बदल दें। कुछ लोग निराश होते हैं क्योंकि वे बपतिस्मा के बाद अलग महसूस नहीं करते हैं। उद्धार भावना का विषय नहीं है, बल्कि विश्वास और आज्ञाकारिता का विषय है।

तीसरी

बपतिस्मा परीक्षाओं को दूर नहीं करता है। शैतान उस व्यक्ति को नहीं छोड़ देता है जब वह बपतिस्मा ले लेता है। और न ही यीशु, जिसने यह वादा किया था, "मैं तुझे कभी न छोड़ूँगा, और न कभी तुझे त्यागूँगा" (इब्रानियों 13:5)। कोई भी परीक्षा निकास के रास्तों के बिना नहीं आएगी। यह पवित्रशास्त्र का वादा है (1 कुरिन्थियों 10:13)।

चौथी

बपतिस्मा कोई जादुई रीति नहीं है जो उद्धार का वादा करता है। मुक्ति केवल यीशु मसीह से मुफ्त उपहार के रूप में आती है जब कोई नए जन्म का अनुभव करता है। बपतिस्मा सच्चे परिवर्तन का प्रतीक है, और जब तक बपतिस्मा से पहले परिवर्तन नहीं होता है, यह रीति व्यर्थ है।

15 **यीशु आपको बपतिस्मा लेने के लिए कहता है जो इस बात का प्रतीक है कि आपके पापों को धो दिया गया है। क्या आप जल्द ही इस पवित्र अध्यादेश के लिए योजना बनाना चाहते हैं?**

आपका उत्तर: _____

यदि यीशु आपसे बपतिस्मे के बारे में बात कर रहा है, तो इसे त्यागें न।

आपके प्रश्नों के उत्तर

1. क्या एक बार से अधिक बपतिस्मा लेना उचित है?

उत्तर: हाँ। **प्रेरितों के काम 19:1-5** से पता चलता है कि बाइबल कुछ मामलों में पुनः बपतिस्मे का समर्थन करती है।

2. क्या शिशुओं को बपतिस्मा दिया जाना चाहिए?

उत्तर: किसी को भी बपतिस्मा तब तक दिया जाना चाहिए जब तक वह (1) परमेश्वर की सच्चाई को नहीं जान जाता हो, (2) और उसे मानता न हो, (3) पश्चाताप न किया हो, और (4) परिवर्तन का अनुभव न किया हो। कोई भी शिशु संभवतः इन बातों में योग्य नहीं हो सकता है। एक शिशु को बपतिस्मा देने का अधिकार किसी को भी नहीं है। ऐसा करना बपतिस्मे के बारे में परमेश्वर के प्रत्यक्ष आदेशों की उपेक्षा करना है। वर्षो पहले भ्रमित लोगों ने यह हुक्म दिया कि बपतिस्मे के बिना शिशु खो जाते हैं, परन्तु बाइबल के अनुसार यह असत्य है। यह परमेश्वर को एक अन्यायी तानाशाह के रूप में बदनाम करता है जो निर्दोष शिशुओं को केवल इसलिए नष्ट कर देगा क्योंकि उनके माता-पिता, उन शिशुओं को, बपतिस्मा देने में असफल रहे। इस तरह की शिक्षा दुःखद है।

3. क्या बपतिस्मा व्यक्तिगत राय का मामला नहीं है?

उत्तर: हाँ - लेकिन आपकी या मेरी राय नहीं। यह मसीह की राय है जो मायने रखती है। मसीह का कहना है कि उनके लिए बपतिस्मा महत्वपूर्ण है। "जब कोई मनुष्य जल और आत्मा से न जन्मे तो वह परमेश्वर के राज्य में प्रवेश नहीं कर सकता" (**यूहन्ना 3:5**)। बपतिस्मे से इंकार करना, परमेश्वर की प्रत्यक्ष सलाह से इंकार करना है (**लूका 7:29, 30**)।

4. बपतिस्मा लेने के लिए कितनी उम्र का होना चाहिए?

उत्तर: सही और गलत के बीच के अंतर को समझने के लिए और मसीह के समक्ष, आत्मसमर्पण करने और उसका अनुसरण करने तथा एक बुद्धिमान निर्णय लेने के लिए पर्याप्त आयु होनी चाहिए। कई बच्चे 10 या 11 साल की आयु में बपतिस्मे के लिए तैयार होते हैं, कुछ 8 या 9 पर। और कुछ 12 या 13 में तैयार नहीं होते हैं। बाइबल में कोई आयु स्तर विस्तृत नहीं है। बच्चों के अनुभव और समझ के विभिन्न स्तर होते हैं। कुछ दूसरों के मुकाबले बपतिस्मे के लिए पहले तैयार हो जाते हैं।

5. क्या बप्तिस्मा, अपने आप में, आपको बचा सकता है?

उत्तर: नहीं, लेकिन बपतिस्मे से इनकार करने वाले के लिए खोने का कारण बन सकता है, क्योंकि इसका मतलब आज्ञालंघन है। उद्धार "सब आज्ञा माननेवालों के लिए" है (**इब्रानियों 5:9**)।

6. क्या पवित्र आत्मा का बपतिस्मा काफी नहीं है?

उत्तर: नहीं। **प्रेरितों के काम10:44-48** में बाइबल दिखाती है कि पवित्र जल का बपतिस्मा आवश्यक है, तब भी जब उससे पहले पवित्र आत्मा का बपतिस्मा हो चुका हो।

7. क्या हमें केवल यीशु के नाम से बपतिस्मा नहीं लेना चाहिए?

उत्तर: **मत्ती 28:19** में, हमें पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा के नाम में बपतिस्मा लेने के लिए कहा गया है। ये यीशु के पवित्र शब्द हैं। प्रेरितों की किताब में, हम पाते हैं कि नए विश्वासियों ने यीशु के नाम में बपतिस्मा लिया था। यीशु को मसीह के रूप में पहचानना उस दिन के लोगों के लिए विशेष रूप से एक महत्वपूर्ण कदम था; इसलिए, उनके नाम में बपतिस्मा लेने के लिए यह विस्तृत किया गया था। हमें विश्वास है कि आज भी यह बहुत महत्वपूर्ण है। प्ररितों की पुस्तक के साथ मत्ती की गवाही को मिलाकर, हम पिता, पुत्र (यीशु), और पवित्र आत्मा के नाम में लोगों को बपतिस्मा देते हैं। इस विधि का पालन हमें एक वचन को दुसरे वचन से अधिक महत्व देने से रोकता है।

8. एक पाप है जिसे मैं त्यागने के लिए संघर्ष करता हूँ। क्या मुझे बपतिस्मा लेना चाहिए?

उत्तर: कभी-कभी हम किसी विशेष पाप से संघर्ष करते हैं और महसूस करते हैं कि हम इसे दूर नहीं कर सकते हैं। निराश न हों! परमेश्वर चाहता है कि आप "हर एक रोकनेवाली वस्तु और उलझानेवाले पाप को दूर करके, वह दौड़ जिसमें हमें दौड़ना है धीरज से दौड़ें" (**इब्रानियों 12:1**)। परमेश्वर आपको किसी भी पाप पर विजय दे सकते हैं! परन्तु आप बपतिस्मे के पानी में दफन होने के लिए तैयार नहीं हैं जबतक कि आप आत्मसमर्पण नहीं कर देते, क्योंकि पाप का पुराना जीवन मरा नहीं है। सिर्फ तब जब हम खुद के लिए मर जाते हैं हम ख्रीस्त के लिए जी सकते हैं।

9. क्या आप गलतियों 3:27 का विवरण दे सकते हैं ?

उत्तर: यहाँ परमेश्वर अनिवार्य रूप से बपतिस्मे की तुलना विवाह से कर रहा है। जो स्त्री या पुरुष बपतिस्मा लेता है वह सार्वजनिक रूप से स्वीकार करता है कि उसने मसीह का नाम अपने ऊपर लिया है, जैसे कि दुल्हन विवाह के समय सार्वजनिक रूप से अपने पति के नाम को लेने की घोषणा करती है। बपतिस्मे में, विवाह के जैसे ही, कई सिद्धांत लागू होते हैं:

क. जब तक सच्चा प्रेम सर्वोच्च न हो, तब तक इसमें प्रवेश नहीं किया जाना चाहिए।

ख. जब तक उम्मीदवार अच्छे और बुरे दिन में भी वफादार रहने की इच्छा न रखता हो, तब तक इसमें प्रवेश नहीं किया जाना चाहिए।

ग. इसे पूरी समझ के साथ दृष्टिकोण में लाना चाहिए।

घ. इसे समय से पहले या अनुचित रूप से विलंबित नहीं किया जाना चाहिए।

अपनी टिप्पणियाँ या प्रश्न यहाँ लिखें

01

02

03

04

05

06

07

08

09

10

11

12

13

14

यह अध्ययन संदर्शिका 14 की शृंखला में से केवल एक है!

प्रत्येक पाठ आश्चर्यजनक तथ्यों से भरा हुआ है जो आपको और आपके परिवार को परिवर्तित कर देगा और आपको स्थायी उम्मीद दिलाएगा। एक भी ना चूकें।

अध्ययन संदर्शिका 01: क्या कुछ बचा है जिस पर आप भरोसा कर सकते हैं?
अध्ययन संदर्शिका 02: क्या परमेश्वर ने शैतान को बनाया?
अध्ययन संदर्शिका 03: निश्चित मौत से बचाया गया
अध्ययन संदर्शिका 04: अंतरिक्ष में एक विशाल शहर
अध्ययन संदर्शिका 05: एक सुखद विवाह की कुंजी
अध्ययन संदर्शिका 06: पत्थर में लिखा है!
अध्ययन संदर्शिका 07: इतिहास का खोया हुआ दिन
अध्ययन संदर्शिका 08: परम उद्धार (यीशु मसीह का पुनरागमन)
अध्ययन संदर्शिका 09: शुद्धता और शक्ति!
अध्ययन संदर्शिका 10: क्या मृतक वास्तव में मृत हैं?
अध्ययन संदर्शिका 11: क्या शैतान नर्क का प्रभारी है?
अध्ययन संदर्शिका 12: शांति के 1000 वर्ष
अध्ययन संदर्शिका 13: परमेश्वर की नि:शुल्क स्वास्थ्य योजना
अध्ययन संदर्शिका 14: क्या आज्ञाकारिता विधिवादिता है?

सारांश पत्र

9

इस सारांश पत्र को हल करने से पहले कृप्या इस पाठ को पढ़ ले। अध्ययन संदर्शिका में सभी उत्तर पाए जा सकते हैं। सही उत्तर पर सही चिन्ह करें। कोष्ठकों में दी गई संख्या (?) सही उत्तरों की संख्या दर्शाती हैं। (✓) फॉर्म भरने के लिए कृपया "**अडोबी रीडर**" का उपयोग करें।

1. बाइबल हमें बताती है कि एक ही प्रभु है, एक ही विश्वास है, और (1)

- ☐ 15 बपतिस्मा है।
- ☐ 5 बपतिस्मा है।
- ☐ 12 बपतिस्मा है।
- ☐ 1 बपतिस्मा है।

2. क्या यीशु ने बपतिस्मे की आवश्यकता सिखाई? (1)

- ☐ हाँ।
- ☐ नहीं।

3. यीशु ने बपतिस्मा कैसे लिया (1)

- ☐ पानी डालकर।
- ☐ पानी के छिड़काव से।
- ☐ डुबकी।

4. "बपतिस्मा" शब्द का अर्थ है (1)

- ☐ खुश रहो।
- ☐ छींटे डालना।
- ☐ पानी उड़ेलना।
- ☐ अन्दर डुबना या डुबकी।

5. आज के कई नकली बपतिस्मा हमें किसके द्वारा दिए गए हैं (1)

- ☐ मसीह के द्वारा।
- ☐ प्रेरितों के द्वारा।
- ☐ भ्रमित लोगों।

6. उन चीजों को चिन्हित करें जो बपतिस्मा के लिए तैयारी करने वाले व्यक्ति को करना चाहिए: (4)

- ☐ बाइबल को पाँच बार पढ़े।
- ☐ सत्य पर विश्वास करें।
- ☐ परिवर्तन का अनुभव करें।
- ☐ 10 दिनों तक लगातार प्रार्थना करें।
- ☐ 40 दिन उपवास करें।
- ☐ परमेश्वर की आवश्यकताओं को जानें।
- ☐ पाप का पश्चाताप और त्याग करें।

7. बपतिस्मे का प्रतीक है (1)

- ☐ जगत की सृष्टि का।
- ☐ बाइबल।
- ☐ स्वर्ग।
- ☐ मसीह की मृत्यु, दफन, और पुनरूत्थान।
- ☐ स्वर्गदूत।

8. बपतिस्मे लेने वाले नए मसीही (1)

- ☐ आत्मिक शिशु है।
- ☐ आत्मिक वयस्क है।

9. बपतिस्मे में, जब प्रार्थना, ईमानदारी और समझ के साथ प्रवेश किया जाता है, तब (1):

- ☐ सार्वजनिक रूप से परिवर्तन को स्वीकार करता है।
- ☐ तैराकी जाने से कुछ अधिक अर्थ नहीं है इसका।
- ☐ उस व्यक्ति को आश्वासन देता है कि वह फिर कभी परिक्षा में न पड़ेगा।

10. क्या शिशुओं का बपतिस्मा शास्त्र के अनुसार है? (1)

- ☐ हाँ।
- ☐ नहीं।

11. कुछ बच्चे दूसरों के मुकाबले बपतिस्मे के लिए पहले तैयार हो जाते हैं। (1)

- ☐ सत्य।
- ☐ असत्य।

अगले पृष्ठ पर जारी

12. बाइबल के बपतिस्मे के बारे में निम्नलिखित में से कौन सा कथन सत्य है? (6)

- ☐ बाइबल, बपतिस्मे की तुलना विवाह से करती है।
- ☐ आपको केवल पवित्र आत्मा के बपतिस्मे की आवश्यकता है।
- ☐ परमेश्वर की शिक्षाएँ मनुष्यों की शिक्षाओं से बेहतर है।
- ☐ यीशु ने हमारे लिए एक उदाहरण के रूप में बपतिस्मा लिया था।
- ☐ पवित्रशास्त्र में दुबारा बपतिस्मा लेने का उदाहरण है।
- ☐ बपतिस्मा एक नए जन्म का चिन्ह है।
- ☐ पुराने जीवन को बपतिस्मे में दफनाया जाता है।
- ☐ आपको सात बार बपतिस्मा लेना चाहिए।

13. क्या किसी व्यक्ति को बपतिस्मा लेने के लिए तैयार होने में कई हफ्ते या महीनों लगाना हमेशा जरूरी है? (1)

- ☐ हाँ।
- ☐ नहीं।

14. क्या कोई व्यक्ति कलीसिया का सदस्य बने बिना सच्चे बपतिस्मे का अनुभव कर सकता है? (1)

- ☐ हाँ।
- ☐ नहीं।

15. मैं जितनी जल्दी हो सके डुबकी द्वारा बपतिस्मा लेना चाहता हूँ।

- ☐ हाँ।
- ☐ नहीं।
- ☐ डुबकी वाला।

उपरोक्त सभी प्रश्नों का उत्तर देना सुनिश्चित करें!

AMAZING FACTS
India

नामांकित होने के लिए अपना नाम, ईमेल और फोन नंबर दर्ज करें। अपनी अगली मुफ्त अध्ययन मार्गदर्शिका प्राप्त करने के लिए "जमा करें" पर क्लिक करें।

आपका नाम :					
आपका ईमेल :					
फोन नंबर :					
आपका पता :					
शहर जिला :		*राज्य :*		*देश:*	India
पिन:		*आयु वर्ग :*		*लिंग :*	

जमा करें

अपनी संपर्क जानकारी अपडेट करें

© 2020 Amazing Facts India • All Rights Reserved • Printed in India • +91 9169164480